मूल अमरीकी एशिया से आए थे

एक 2-वर्षीय बच्चे के 13,000 साल पुराने अवशेषों के अध्ययन से पता चला है कि इस बच्चे के पूर्वज एशिया से बेरिंग ज़मीनी पुल पार करके उत्तरी अमरीका पहुंचे थे। जहां इस खोज ने मनुष्यों की विश्व यात्रा की पड़ताल को एक नया आधार दिया है, वहीं इसने कानूनी मुद्दों को भी उभारने का काम किया है।

यह अवशेष निर्माण मज़दूरों को 1968 में एक निजी ज़मीन पर मिला था। दरअसल, वह एक प्राचीन कब्रगाह थी जहां इस बच्चे के अवशेषों के साथ कई अन्य वस्तुएं भी प्राप्त हुई थीं। इन वस्तुओं से पता चला था कि यह क्लोविस सभ्यता की कब्रगाह रही होगी। क्लोविस सभ्यता मध्य व पश्चिमी संयुक्त राज्य अमरीका में करीब 13,000 वर्ष पहले फल-फूल रही थी।

इससे पहले एक अन्य मूल अमरीकी शव के अवशेषों पर अनुसंधान को लेकर हुए विवाद के मद्देनज़र इस बार शोधकर्ताओं ने शुरू से ही मूल अमरीकी समुदायों को इस कार्य में जोड़ने का फैसला किया। जिस ज़मीन पर यह कब्रगाह पाई गई थी उसके मालिक मेलविन व हेलेन एन्ज़िक थे। यहां से प्राप्त हुई अधिकांश वस्तुएं अब एक म्यूज़ियम में रखी हैं मगर 1990 के दशक में शोधकर्ताओं ने सारे मानव अवशेष एन्ज़िक परिवार को लौटा दिए थे। उस समय एन्ज़िक परिवार की बेटी सारा एन्ज़िक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान में कैंसर जीनोम पर शोध कार्य में लगी हुई थी।

उन्होंने सोचा कि क्लोविस लड़के के जीनोम का अनुक्रमण किया जाए मगर पूर्व के अनुभव को देखते हुए हिम्मत नहीं जुटा पाई। यूएस में एक कानून है - मूल अमरीकी कब्र सुरक्षा और बहाली कानून। इसके मुताबिक सरकारी ज़मीन पर पाए गए सारे मानव अवशेष सम्बंधित समुदाय को लौटा दिए जाएं। मगर यह कानून सिर्फ सरकारी ज़मीनों पर लागू होता है जबकि एन्ज़िक ज़मीन निजी थी और वहां यह कानून लागू नहीं होता था। फिर भी सारा एन्ज़िक ने स्थानीय आदिवासी समुदायों को राज़ी करने के प्रयास किए।

इसी दौरान कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के पुराजीव वैज्ञानिक एस्के विलरस्लेव भी क्लोविस लड़के के जीनोम का अध्ययन करना चाहते थे। उन्होंने दूर दराज़ के क्षेत्रों में यात्राएं करके अंततः आदिवासी समुदायों को इस बात के लिए राज़ी कर लिया कि वे लड़के की हड्डियों के डीएन का अनुक्रमण करने की इज़ाजत दे दें।

जब लड़के की हड्डी के माइटोकॉण्ड्रिया के डीएनए का अनुक्रमण करके उसकी तुलना वर्तमान आदिवासी समुदायों से की गई तो पता चला कि उस लड़के का डीएनए वर्तमान मूल अमरीकी समुदायों से काफी मेल खाता है। इसके अलावा यह भी स्पष्ट हुआ कि क्लोविस समुदाय एशिया से उत्तरी अमरीका पहुंचा था।

अब उस लड़के को फिर से आदिवासी रीति रिवाज़ों के अनुसार दफन कर दिया जाएगा। ***(स्रोत फीचर्स)***